Title: Demand the Central Government to check the spreading of malaria disease in the Sarangarh district in Chhatisgarh state and provide financial aid to relatives of persons died so far.

श्री पी.आर.खूंटे (सारंगढ़) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं नवगठित छत्तीसगढ़ प्रदेश के अंतर्गत मेरा जो सारंगढ़ संसदीय क्षेत्र है जो अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग बहुल क्षेत्र है, उसकी ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत विधान सभा क्षेत्र कुशडोल में मलेरिया के प्रकोप से अभी तक सौ आदमी बेमौत मारे जा चुके हैं। सैकड़ों लोग मलेरिया के प्रकोप के शिकार हो गए हैं और अस्पताल में भर्ती करने के लिए जगह नहीं मिल रही है। वहां भयंकर सूखा पड़ा हुआ है और पेयजल संकट भी है। वहां भुखमरी की स्थिति भी आ गई है। इस बीमारी को रोकने में नवगठित प्रदेश छत्तीसगढ़ की सरकार असफल हो रही है। इसलिए मेरी भारत सरकार से मांग है कि वहां मलेरिया के प्रकोप से जो हरिजन, आदिवासी और गरीब तबके के लोग मारे जा रहे हैं, उनकी राहत के लिए वहां केन्द्र की ओर से विशो स्वास्थ्य दल भेजा जाए और प्रत्येक मृतक के परिवार को कम से कम एक लाख रुपये राहत राशि दी जाए। इसके अलावा मेरा यह भी निवेदन है कि ये सब गरीब तबके के वनांचल में रहने वाले लोग हैं। उनके मुखिया लोगों की मृत्यु होने से उनके परिवार बिखर रहे हैं और छोटे-छोटे बाल-बच्चे पढ़ने लिखने में असमर्थ हो रहे हैं। मेरा भारत सरकार से आग्रह है कि उनके पीड़ित परिवारों के जो बच्चे हैं, उनके लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था भी कराई जाए। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी का नोटिस 10 बजे के बाद मिला है। आपका जो मैटर है उस पर सब्स्टैन्सिव मोशन में ही डिसकशन कर सकते हैं। अभी हम आपको इजाज़त नहीं दे सकते, यह सेन्ट्रल इलेक्शन कमीशन के बारे में है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : क्या हम जीरो अवर में नहीं बोल सकते हैं?

उपाध्यक्ष महोदय : जी नहीं।

श्री प्रभुनाथ सिंह : फिर हम इसी तरह से बोल देते हैं, आप सुन लीजिए। इतनी गंभीर बात चुनाव आयोग बोलेगा और किसी को गाली देगा â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप उसको सब्स्टैन्सिव मोशन में लाकर दे सकते हैं।

श्री प्रभुनाथ सिंह : वह तो देंगे ही।

श्री नवल किशोर राय : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य डॉ.रघुवंश प्रसाद सिंह जी और माननीय श्री जयपाल रेड्डी जी ने जो मुद्दा उठाया है उसका समर्थन करते हुए आश्चर्य व्यक्त करना चाहता हूं कि मारुति उद्योग लिमिटेड के इम्प्लॉइज़ असोसियेशन का जो मामला है जिसकी चर्चा माननीय डॉ.रघुवंश प्रसाद सिंह जी ने की है, जब से मैं राजनीति मैं हूं, मैंने आंदोलन तो बहुत जगह देखे, लेकिन ऐसा कहीं नहीं देखा। वहां कोई आंदोलन नहीं है। 7 सितम्बर से कर्मचारियों को एक ऐग्रीमेन्ट पर साइन करने के लिए कहा जा रहा ।है जो कर्मचारी 15-20 सालों से वहां काम कर रहे हैं उनको ज़बरन एक कागज पर दस्तख़त करने के नाम पर पुलिस लगाकर अंदर नहीं घुसने दिया जाता है और उनसे काम नहीं कराया जाता है। यह मौलिक अधिकारों का हनन है।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आग्रह है कि इतने दिन से चल रहे कर्मचारियों के आन्दोलन को दृटिगत रखते हुए कर्मचारियों के साथ न्याय करने का निर्देश देने का कट करें।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य, उद्योग मंत्रालय के संबंध में बहुत महत्वपूर्ण चर्चा सदन में उठा रहे हैं, लेकिन न माननीय उद्योग मंत्री और न ही उद्योग मंत्रालय से संबंधित कोई दूसरे मंत्री उपस्थित हैं। यह चिन्ता का विाय है।â€¦(व्यवधान)

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मारुति उद्योग के कर्मचारियों के विाय में इस सदन में माननीय सदस्यों द्वारा उठाई गई चिन्ता से मैं अपने आपको जोड़ते हुए सिर्फ इतना ही जानना चाहता हूं कि जब यह आन्दोलन डेढ़ महीने से चल रहा है और स्ट्राइक हो रही है, तो क्यों नहीं आज तक भारी उद्योग मंत्री, जोशी जी ने कोई कार्रवाई की ? मारुति उद्योग के प्रबन्ध निदेशक श्री जगदीश खट्टर की बातों से प्रभावित होकर मारुति उद्योग प्रबन्धक, कर्मचारियों को सड़कों पर बैठाने पर विवश कर रहे हैं। इसके बारे में सदन को अभी तक मंत्री महोदय द्वारा अधिकृत जानकारी क्यों नहीं दी गई?

श्री राजीव प्रताप रूडी : उपाध्यक्ष महोदय, सभी उद्योग रुग्ण हो चुके हैं और अगर यही प्रक्रिया जारी रही, तो हालत और खराब होगी।â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : राजीव प्रताप रूडी जी, इन लोगों का नाम लिस्ट में है। इन लोगों ने बोलने के लिए अपना नाम दिया है।

श्री राजीव प्रताप रूडी : उपाध्यक्ष महोदय, यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया और यही प्रक्रिया चलती रही, तो देश के हालात खराब हो जाएंगे। उद्योग सभी जगह रुग्ण हो चुके हैं।â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका नाम नहीं है। इसलिए कृपया आप बैठ जाएं। आप निश्चिंत रहें, मैं ऐसी प्रक्रिया यहां बिलकुल नहीं चलने दूंगा।

श्री प्रमोद महाजन : माननीय उपाध्यक्ष जी, माननीय रघुवंश प्रसाद जी, जयपाल जी, नवल किशोर जी, बासुदेव आचार्य जी आदि सभी सदस्यों ने मारुति उद्योग में कार्यरत कर्मचारि यों के आन्दोलन का विाय उठाया है। आप जानते हैं कि शून्य-काल में मेरे लिए इसका उत्तर देना संभव इसलिए नहीं है क्योंकि यह मेरा विभाग नहीं है। मैं माननीय सदस्यों से इतना निवेदन जरूर करना चाहता हूं कि आप सभी माननीय सदस्यों की भावनाओं और गंभीरता को मैं मंत्री महोदय तक स्वयं पहुंचाऊंगा और उनसे प्रार्थना करूंगा कि जो भी विाय माननीय सदस्यों ने उठाए हैं उनके संबंध में वे शीघ्र कार्रवाई करें और उन्हें सूचित करें।

SHRI SIMRANJIT SINGH MANN : What about the issue that I have raised?

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I will write to the Home Minister about the issue which you have raised.